

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में मास्टर इन डिजाइन (MDes) कोर्स की पढाई शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने वर्तमान शैक्षणिक सत्र से शुरू किये जा रहे मास्टर इन डिजाइन (MDes) पाठ्यक्रम को आज एक आभासी उद्घाटन सह उन्मुखीकरण समारोह में फ्लैग ऑफ़ किया जिसमें प्रो-वाइस चांसलर प्रो तसनीम फातमा और रजिस्ट्रार डॉ नाजिम हुसैन जाफरी समेत कई जाने-माने शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। नया पाठ्यक्रम डिजाइन और नवाचार विभाग के तहत संचालित किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय में एक नया विभाग होगा।

इसे जामिया के इतिहास में एक उल्लेखनीय क्षण बताते हुए, प्रो नजमा अख्तर ने कहा कि पिछले सौ वर्षों में, जामिया; भारत में सबसे प्रगतिशील शैक्षणिक संस्थानों में से एक के रूप में उभरती हुई सुलभ किफ़ायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी बन गया है। "एक चीज जो हमें अलग करती है, वह है सर्वोत्तम अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने और शिक्षाशास्त्र, प्रौद्योगिकी और नवाचार में बदलते रुझानों के साथ बने रहने की हमारी प्रतिबद्धता। डिजाइन एवं नवाचार विभाग न केवल शिक्षा-शास्त्र शिक्षण और अधिगम के अपने दृष्टिकोण से नेतृत्व करेगा बल्कि उद्योग और अकादमिक दोनों से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करेगा", प्रो अख्तर ने कहा।

उन्होंने यह भी कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से इस परियोजना में बहुत रुचि रखती है और इसे फलते-फूलते और विकसित होते देखना उसका सपना रहा है। मैंने विभाग की स्थापना का नेतृत्व करने के लिए प्रो. फरहत बशीर खान को चुना है, जिन्हें अकादमिक और पेशेवर अभ्यास में तीन दशकों से अधिक के नेतृत्व के अनुभव का श्रेय दिया जाता है। "वास्तव में यह एक बड़ा दांव है और मैं व्यक्तिगत रूप से इसकी प्रगति की निगरानी करूंगी और विश्वविद्यालय हर संभव सहायता प्रदान करेगा और आप सभी को सफलता के लिए तैयार करेगा" कुलपति ने कहा।

प्रारंभ में, विभाग छात्रों को मास्टर इन डिजाइन (MDes) की पेशकश करेगा, हालांकि भविष्य में स्नातक अध्ययन और शोध डिग्री की योजना है। विभाग के फोकस के वर्तमान क्षेत्र हैं, उत्पाद डिजाइन, इंटरैक्शन डिजाइन और संचार डिजाइन। एक नया विभाग बनाने का विचार छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें भारत में भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार करने से जुड़ा है।

अपने संबोधन में, विभाग की स्थापना का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर फरहत बशीर खान ने जोर देकर कहा, "देश में डिजाइन पेशेवरों और नवप्रवर्तकों की बढ़ती मांग को रचनात्मक रूप से पूरा करने के लिए विभाग की स्थापना की गई है; डिजाइन पेशेवर जो इस उद्देश्य के साथ एक व्यवसाय का सृजन और निर्माण कर सकते हैं और इस व्यापक अंतर को दूर कर सकते हैं; डिजाइन पेशेवर जो अपने फील्ड में बेहतर सोच सकते हैं और 1.4 अरब लोगों के असमानता भरे विशाल देश के लिए उपयुक्त रचनात्मक समाधान तलाश सकते हैं। "

विभाग और नए पाठ्यक्रम का उद्घाटन दो प्रमुख प्राथमिकताओं के साथ किया गया है: 1. कल के कार्यकर्ताओं में महत्वपूर्ण डिजाइन सोच की संस्कृति और अभ्यास को विकसित करना। 2. भविष्य के लीडर्स और उद्यमियों को तैयार करना, जिनके पास अनुसंधान करने और डिजाइन नवाचार में मजबूती के साथ नए विचारों को मूर्तकार्यों में बदलने की क्षमता हो।

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ताओं में प्रो. जतिन भट्ट, पूर्व, प्रो-वाइस-चांसलर, संस्थापक और डीन, स्कूल ऑफ डिज़ाइन, अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली, प्रो ललित कुमार दास, विशिष्ट मानद फैकल्टी, डिज़ाइन विभाग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी और प्रो हिना जिया, डीन फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर एंड एकिस्टिक्स, जेएमआई शामिल थे।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया